बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा– 10 विषय–भोजपुरी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षक खातिर सुझाव

पिछला साल कोरोना के महामारी से पूरा दुनिया तबाह रहे। एकरा से बचे के खातिर सभतर लॉकडाउन लगावल गइल। एह से उद्योग–धंधा से लेके शिक्षण संस्थान सब बंद करे के पड़ल।

हमनी के देश भी कोरोना के महामारी से प्रभवित रहे। पिछला बरिस अप्रैल से विद्यालय बंद रहले सन। एह से छात्रन के अपना–अपना घरे में रहे के पड़ल। दिन–रात अपना घर में रहला से पटन–पाठन बाधित भइल। विद्यालय के संगे–संगे छात्र समाज से भी कट गइल। एह से सीखे के प्रक्रिया धीमा हो गइल। एह दौरान ऑनलाइन क्लास चलावल गइल। बाकिर एकर लाभ ग्रामीण क्षेत्र आ गरीब छात्र ना उठा पवले।

एही क्षतिपूर्ति खातिर ई कोर्स बनावल गइल बावे। हमनी के ई प्रयास रहल बा जे कवनो भाषाई कौशल छुटे ना। 60 दिन में पिछला वर्ग के पाठ्यक्रम पूरा हो जाव।

एह में पाठ के चयन सोच–समझ के कइल गइल बावे। पाठ चयन में एह बात के ध्यान रखल गइल बावे कि एह वर्ग में पढ़ल जाए वाला भाषाई कौशल के कवनों पक्ष छुटे ना। चुनल गइल छव गो प्रतिनिधि पाठ बावे। पाठ चयन में विधा के ध्यान रखल गइल बावे। कविता, एकांकी, अनुवाद, कहानी, निबंध के राखल गइल बावे।

निदेशक

(गिरिवर दयाल सिंह)

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्

बिहार, पटना

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के खातिर तीन महीना के सेतु सामग्री (catch up coerse)
कक्षा 10 (कक्षा 10 के बच्चे जे सत्र 2021–2022 में कक्षा 9 मे पढ़त रहले उनका खातिर 60 कार्य दिवस के सामग्री)

पान–फूल भाग–1

सीखे के प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive Process	अवधि (दिनन में) Durative (in Days)
• हाव–भाव के साथ पद का गायन करेलें। • भक्तिकालीन कवियन का पहचान करेलें। • अपना अनुभव के आधार पर भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करेलें। • शब्दकोश के प्रयोग करेले। • बच्चा लोग प्रश्न करेलें आ उत्तर देलें। • छोटे–छोटे पद्य अपने करेलें।	दरिया साहब (पद्य) अध्याय संख्या–1	• भक्तिकालीन कवियन का कविता खोज के पढ़ीं आ दोसर आउर संत कवियन के पता करीं। • हाव–भाव के साथे (पद्य) दोहा का गायन करीं। • भाषा का पहचान आ प्रयोग करीं। • पूछल गइल प्रश्नन का जबाब दीहल। • कठिन शब्दन के पहचान आ अर्थ जानल।	• पद में आइल भावन के लिखववाल जा सकेला। • भक्तिकालीन दोसर कवियन के रचना खोज के लिखावल जा सकेला। • पद का सामूहिक आ एकल लयबद्ध गायन हो सकेला। • निजी जीवन से जोड़ के पद का भावार्थ समझल जा सकेला। • पाठ अभ्यास करावल जा सकेला। • दरियादासी मठ के सूची तइयार करावल जा सकेला। • पाठ के बच्चा लोग के निजी जीवन से जोड़ल जा सकेला ताकि नैतिक मूल्यन का विकास हो सके।	8+2=10 • आठ कार्य दिवस पाठ खतिर • दू कार्य दिवस व्याकरण खतिर

Class- 10 वाँ खातिर

Subject- भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• बच्चा लोग निबन्ध विधा से परिचित होलन। • समझ के साथे पढ़ेलन। • कठिन शब्दन खातिर शब्दकोश के प्रयोग करेलें। • बच्चा लोग निबन्ध के आधार पर प्रश्न बनावेला आ उत्तर देलन।	'अम्बेडकर के छात्र जीवन' (निबन्ध) अध्याय संख्या–2	• महान विभूतियन के बारे में बतावल। • कठिन शब्दन आ अर्थ खोजल। • पाठ के आधार पर प्रश्न कइल आ उत्तर दिहल। • समझ के साथे आगे बढ़ल। • पाठ में आइल शब्दन से वाक्य बनावल आ प्रकार के समझ होई।	• 'डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के छात्र जीवन' निबन्ध से प्रेरणा लेके छात्र आगे बढ़ी आ आदर्श प्रस्तुत कर सकेला। • बच्चा लोग बिहार के महान लोगन का सूची तइयार करी आ प्रेरणा ले करेला। • छात्र सभ लेखन में योजक चिह्नन का प्रयोग करी आ अपन प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकेला। • बाबा साहब आ कर्पूरी ठाकुर के चित्र बनवावल जा सकेला। • बिहार के महान विभूतियन के चित्र प्रदर्शनी लगवावल जा सकेला। • निबन्ध में आइल तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज शब्दन के सूची बनावल जा सकेला। • बच्चा लोग से पाठ के आधार पर प्रश्न तइयार करावल जा सकेला।	12+3= 15 बारह कार्य दिवस पाठ खातिर तीन कार्य दिवस व्याकरण खतिर

Class- 10 वाँ खातिर

Subject- भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• भोजपुरी परिवेश का पारम्परिक आ सांस्कृतिक क्रियाकलाप कहानी के माध्यम से चर्चा करेलन। • कहानी में आइल मुहावरा आ लोकोक्तियन का अर्थ ग्रहण करेलन। • अपना अनुभव के आधार पर बच्चा लोग भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करेलन। • सामाजिक विषमता आ व्याप्त भेदभाव पर बातचीत करेलन। • अनुवाद कला से परिचित होखेलन।	सहभोज (कहानी) अध्याय संख्या–3	• आारोह–अवरोह का साथे कहानी सुनल आ आपन सलाह दिहल। • हास्य रसास्वदन के साथे–साथ अंधविश्वास आ अपशगुन जइसन परम्परा से दूर होई। • मुहावरा आ लोकोक्तियन का प्रयोग होई। • वाक्य का प्रयोग आ प्रकार बतावल जाई। • पाठ में आइल घटनाक्रम पर बच्चा सभ करिहन।	• बच्चा सभ अपना ढंग से बातचीत करी आ आपन विचार दे सकेला। • घर में माई–बाबू आ दादा–दादी द्वारा प्रयोग कइल कवनो मुहावरा आ लोकोक्ति सुनावल जा सकेला। • अनुवाद कला का परिचय दिहल जा सकेला। • कहानी आ पात्रन के बारे में बातचीत करेके मौका दिहल जा सकेला। • प्रश्नन के साथे–साथे आपन अनुभव से संबंधित सृजनात्मक गतिविधि करावल जा सकेला। • गद्य के महत्वपूर्ण विधा का परिचय करावल जा सकेला। • बच्चा सभ से पाठ में भइल प्रश्नन के हल करावल जा सकेला।	12 छव दिन पाठ पर आ छव दिन अनुवाद कला पर

Class- 10वाँ खातिर

Subject-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• बच्चा लोग में भोजपुरी साहित्य के विभिन्न विद्यन का ज्ञान प्राप्त करेलें। • चिट्ठी के माध्यम से बच्चा लोग भरपुर रूप से अपना अभिव्यक्ति के क्षमता का विकास करेलें। • विभिन्न प्रकार के पत्र लेखन विद्या से बच्चा लोग परिचित होलें।	बाबा के पाती (संवाद आ पत्र लेखन) अध्याय संख्या–4	• पत्र लेखन विद्या से अवगत भइल आ आपन विचार दिहल। • व्याकरण से योजक–चिह्नन, क्रिया–विशेषण, विशेषण आदि का प्रयोग होई। • बच्चा लोग में चिट्ठी के माध्यम से आपन विचार के अभिव्यक्ति होई। • बच्चा लोगन से प्रश्नन के हल करवावल जाई।	• बच्चा लोग से चार्ट पेपर पर संवाद–लेखन करावल जा सकेला। • सामूहिक रुप से चिट्ठी लिखवावल जा सकेला। • बच्चा सभ से एकांकी के कवनो संवाद सुनल जा सकेला। • बच्चा लोग में खुलके आपस में बातचीत करेला अवसर दिहल जा सकेला। • बच्चा लोग से मंच पर संवाद करावल जा सकेला। • पाठ में आइल प्रश्नन के हल करावल जा सकेला। • बच्चा लोगन से अपना–अपना इयारन (संघतिया) के लगे पत्र लिखवावल जा सकेला।	6+2=8 छव कार्य दिवस पाठ खातिर दू कार्य दिवस व्याकरण खातिर

Class- 10वाँ खातिर

Subject-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• बच्चा पाठ के आधार पर बातचीत करेलें आ आपन प्रतिक्रिया देलें। • कविता का सस्वर गायन करेलें। • भोर का बारे में निजी जीवन से जोड़के बातचीत करेलें। • पाठ अभ्यास आ शब्दकोश का प्रयोग करेलें।	भोर (कविता) अध्याय संख्या–7	• हाव–भाव के साथे कविता के गायन समूह मे करावल जाई। • कविता के आधार पर बच्चा लोग में बातचीत का भरपूर मौका दीहल जाई। • पाठ के आधार पर प्रश्न कइल जाई आ ओकर जबाब दिहल जाई। • नया शब्दन के समझे खातिर शब्दकोश के प्रयोग कइल जाई।	• बच्चा एह कविता के आधार बनाके तुकबन्दी करी आ कवनो दोसर कविता लय–ताल का साथे प्रस्तुत करी। • बच्चा लोग शब्दकोश का उपयोग करके सीखिहन। • भोजपुरी भाषा में छपे वाला दोसर पत्र–पत्रिका खोजी आ नेट इंटरनेट, ब्लॉग, यूट्यूब आदि पर पढ़ीहन। • रचना पढ़ला के बाद सामाजिक मूल्यन पर चर्चा करीहन।	12 दस गो कार्य दिवस पाठ खातिर दू गो व्याकरण खातिर

Class- 10वाँ खातिर

Subject-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive Process	अवधि (दिनो में) Durative (in Days)
• बच्चा लोग पाठ के आधार पर मौखिक आ लिखित चर्चा करेलें। • लोकसंस्कृति से परिचित होलें। • बच्चा सभ रचना पढ़के नैतिक आ सामाजिक मूल्यन पर समझ विकसित करेलें। • रोचकता के साथ पढ़ेलें। • बच्चा सभ लोकगीत के महत्व के समझेलें।	ऋतु गीत अध्याय संख्या–8	• हाव–भाव का साथे ऋतु गीत का गायन करावल। • गीत का भाव आ लय का समझल। • शब्दकोश का प्रयोग कइल। • पाठ के अधार पर प्रश्नन के पूछल आ जबाव दिहल। • बच्चा सभ सहज रूप से पाठ समझल आ जबाब दिहल।	• ऋतु गीत का गायन समूह में आ एकल रूप में करावल जा सकेला। • पाठ के आधार पर बच्चा सभन के बातचीत करेला अवसर दिहल जा सकेला। • बच्चा सभन के कठिन शब्दन के खोज के लिखवावल जा सकेला। • ऋतु गीत में आइल तत्सम/तद्भव/देशज/विदेशज शब्दन के सूची बनवावल जा सकेला। • बच्चा लोग से लोक गीतन आ ऋतु गीतन के सूची तइयार करावल जा सकेला। • बच्चा लोग से बारी–बारी से ऋतु गीत सुनल जा सकेला।	7 पाँच कार्य दिवस पाठ खातिर दू कार्य दिवस व्याकरण खातिर

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लेल तीन महीनन के सेतु सामग्री (Catch-up Course)

कक्षा 10 (कक्षा 10 के बच्चन जे सत्र 2021–2022 में कक्षा 9 में पढ़त रहले उनका खातिर 60 कार्य दिवस के सामग्री)

विषय– भोजपुरी

कक्षा - 10वाँ खातिर

विषय-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive Process	अवधि (दिनो में) Durative (in Days)
• लड़िका पाठ के आधार पर बतियावेले आ मुँहजबानी/लिखत प्रतिक्रिया देले। • लड़िका पाठ के आधार पर प्रश्न पूछेले आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब देले। • लड़िका भाव के संगे पद के गायन करेले। • पाठ में आइल नया शब्दन पर ध्यान दिहल।	(i) विषय वासना छूटल न मन से (ii) सुनु–सुनु रे मन कहल मोर (पद) अध्याय संख्या –1	• हाव–भाव के संगे कविता के गायन कइल। • भाषा के मेहिनी से बूझल। जइसे पद में लय के बूझल। • कविता के आधार पर बातचीत कइल आ आपन प्रतिक्रिया दिहल। • शब्दन के वर्गीकरण कइल। • शब्दकोश के प्रयोग कइल।	• पद के एकल/छोटहन समूह में गावे के अवसर । • पद के शीर्षक पर बतियावे के अवसर होखे। • पद में निहित भाव के लिखे के अवसर होखे। • कठिन शब्दन के अर्थ शब्दकोश मे खोज के लिखीं। • विभिन्न व्याकरणिक इकाइयन, जइसे पर्यायवाची शब्द, क्रिया, विराम चिन्ह जाने के गतिविधि होखे।	6+2=8

कक्षा - 10वाँ खातिर

विषय-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• लड़िका समझ–बूझ के पढ़ेले। • लड़िका पाठ के आधार पर बतियावले आ प्रतिक्रिया देले। • लड़िका प्रश्न पूछले आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब के बारे में सोचेले आ जानेले। • लड़िका संवाद बोलेले। • पाठ के वर्णित देशन के मानचित्र में देखेले।	सगरे जहान भोजपुरिया (एकांकी) अध्याय संख्या–2	• समझ के पढ़ल। • नाटक आ एकांकी में तुलना कइल। • पाठ के घटनाक्रम/शीर्षक/प्रात्रन के विषयन के बारे में बतियावल आ राय दिहल। • एके भाषा में जगह के अनुसार होत परिवर्तन के जानल। • अभ्यास के प्रश्न के हल कइल। • मारीशस के महान विभूतियन के बारे में जानल।	• लड़िकन से पाठ पढ़ावल जाव। • पाठ के आधार पर अभिनय करे के अवसर होखे। • पाठ के तथ्य के लेख के रूप में लिखल–सुनल जाव। • एकांकी के घटनाक्रम/शीर्षक/पात्रन के विषय में बतियावे आ राय देवे के अवसर होखे। जइसे– अगर रउवा गुरू जी के जगे होखती तऽ का करती? • एकांकी के आधार पर विदेशन में भोजपुरी के स्थिति पर लेख लिखीं। • एकांकी के मनपसंद संवाद के बोले के अभ्यास करीं। • संज्ञा, विशेषण, विलोम शब्द लिखे के अवसर होखे।	6+2=8

कक्षा - 10वाँ खातिर

विषय-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• लड़िका हाव–भाव के संगे कविता के गायन करेले। • लड़िका पाठ के आधार पर बतियावेले आ मुँहजबानी / लिखित प्रतिक्रिया देले। • लड़िका पाठ के आधार पर प्रश्न पूछेले आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब देले। • लड़िका शब्दकोश के प्रयोग करेले।	फतेहशाही (कविता) अध्याय संख्या–5	• वीर रस के कविता के बारे में आपन विचार रखल। • हाव–भाव के संगे कविता के गायन कइल। • कविता के आधार पर बतियावल आ आपन प्रतिक्रिया दिहल। • पाठ के आधार पर प्रश्न पूछल आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब दिहल।	• कविता के गायन एकल / छोटहन समूह में करे के अवसर होखे। • कविता में निहित भाव लिखे के अवसर होखे। • कविता में से तत्सम / तद्भव / अरबी– फारसी शब्दन के सूची बनावल जा सकता। • कठिन शब्दन के अर्थ शब्दकोश में से खोज के लिखे के अवसर होखे। • भाववाचक संज्ञा के बारे में प्रश्न कइल जा सकता। • पाठ के कुछ पंक्तियन के लड़िकन से लिखवा के भावार्थ लिखे के कहल जा सकता। • पाठ में प्रयुक्त शब्दन से भाववाचक संज्ञा बनावे के कहल जा सकता।	6+2=8

कक्षा - 10वाँ खातिर

विषय-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय Chapters	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive Process	अवधि (दिनो में) Durative (in Days)
• लड़िका पाठ के विषय पर बतियावेले आ प्रतिक्रिया देले। • लड़िका समझ–बूझ के पढ़ेले। • लड़िका पाठ के पढ़ के प्रश्न पूछेले आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब देले। • लड़िका डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन से जुड़ल घटनन के बारे में जानेले।	भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर (जीवनी) अध्याय संख्या–6	• सहज भाव से बोलल। • समझ समझ के पढ़ल। • पाठ के आधार पर बतियावल आ प्रतिक्रिया दिहल। • पाठ के आधार पर प्रश्न पूछल आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब दिहल। • डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन से जुड़ल प्रश्नन के बारे में बतावल। • पाठ के व्याकरणिक इकाइयन, जइसे–क्रिया, विशेषण के समझल आ प्रयोग कइल। • पाठ के अभ्यास के प्रश्नन के हल कइल।	• लड़िकन के डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बारे में बतियावे के अवसर होखे। • पाठ के आधार पर लड़िकन के प्रश्न–निर्माण के अवसर होखे। • पाठ के अभ्यास के प्रश्नन के हल करावल जा सकता। • पाठ के अधार पर बतियावे के अवसर होखे, जइसे–पाठ में डॉ. अम्बेडकर के जीवन यात्रा के कवन–कवन उल्लेखनीय पहलुअन के उद्घाटन कइल गइल बावे? • पाठ के व्याकरणिक इकाइयन जइसे क्रिया, विशेषण संबंधी गतिविधियन होखे। • अपना गाँव–जवार के केहू विभूति के जीवनी कक्षा में सुनावे के कहल जा सकता। • पाठ में प्रयुक्त शब्दन से विशेषण बनावे के कहल जा सकता।	6+2=8

कक्षा - 10वाँ खातिर

विषय-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• लड़िका समझ–बूझ के कहानी पढ़ेले। • लड़िका पाठ के आधार पर बतियावेले आ प्रतिक्रिया देले। • भाषा के मेहिनी से लड़िका परिचित होले। लड़िका अनुवाद के बारीकियन के समझेले।	मतन के कहानी (कहानी) अनुवाद अध्याय संख्या–7	• हाव–भाव के संगे कहानी के सुनावल। • पाठ के आधार पर बतियावल आ प्रतिक्रिया दिहल। • कहानी के शीर्षक, घटनाक्रम/पात्रन के विषय में बतियावल। • शब्दन के वर्गीकरण के समझल आ प्रयोग कइल। • शब्दकोश के प्रयोग कइल। • पर्यायवाची शब्दन के चुनल।	• कहानी के हाव–भाव के संगे सुने–सुनावे के अवसर होखे। • लड़िकन के कहानी पढ़वावल जा सकता। • भोजपुरी के कवनो बात के दोसरा भाषा में कवना तरे ठीक–ठाक अभिव्यक्त कइल जा सकता? एकरा के समझे–लिखे के अवसर होखे। • अनुवाद कला के बारे में जाने–सुने के अवसर होखे। • कहानी के लड़िकन के निजी जीवन से जोड़ल, जइसे– शादी–बियाह खातिर कइसे तइयारी होला। • कहानी के घटनाक्रम/शीर्षक/पात्रन के बारे मे बतियावे के अवसर होखे, जइसे– कहानी के कवन पात्र सबसे बेसी प्रभावित कइलस? • पाठ के अभ्यास के प्रश्नन के हल करवावल जा सकता।	5+2=7

कक्षा - 10वाँ खातिर

विषय-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• लड़िका पाठ के आधार पर बतियावेले आ प्रतिक्रिया देले। • लड़िका प्रश्न पूछेले आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब देले। • लड़िका अभ्यास के प्रश्नन के हल करेले। • कविता में निहित भावन के लिखेले। • विभिन्न प्रकार के सामग्री, जइसे –कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि के पढ़त आ पाठ्य	नेह के पाती (कविता) अध्याय संख्या–13	• सहज भाव से लयात्मक स्वर में बोलल/गावल। • हाव–भाव के संगे गावल। • प्रश्न पूछल आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब दिहल। • अभ्यास के प्रश्नन के हल कइल। • कविता में निहित भावन के लिखल।	• हाव–भाव के संगे कविता के गायन के अवसर होखे। • कविता के आधार पर बतियावे के अवसर होखे, जइसे– श्रम के महत्व केतना बावे? • कविता के लड़िकन के निजी जीवन से जोड़ल। जइसे– मजदूरन के जिनगी कइसन होला? • पाठ के अभ्यास के प्रश्नन के हल करावल जा सकता। • पाठ में निहित भावन के लिखे के कहल जा सकता। • लड़िकन से मजदूरन द्वारा कइल जाए वाला कामन के सूची बनावल जा सकता। • एह कविता से मिलत–जुलत कुछ रचनन के संकलित क के कक्षा में सुनावे के अवसर होखे। • विभिन्न औजारन के बारे में चर्चा करावल जा सकता।	5+1=6

कक्षा - 10वाँ खातिर

विषय-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• वस्तु के मेहिनी से जाँच करत आ ओकर अनुमान लगावेले, विश्लेषण करेले, विशेष बिंदु के खोजेले।				
• लड़िका पाठ के आधार पर बतियावत आपन स्वतंत्र मुँहजबानी आ लिखित प्रतिक्रिया देले। • विभिन्न पठन सामग्रियन के पढ़त। ओकरा शिल्प के बड़ाई करत आ अपना स्तरानुकूल मुँहजबानी, लिखित	कबड्डी (निबंध) अध्याय संख्या –14	• हाव–भाव मे संगे कहानी सुनावल। • कहानी के शीर्षक / घटनाक्रम / पात्र न के विषय मे बतियावल आ आपन राय दिहल। • पाठ के आधार पर प्रश्न पूछल आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब दिहल। • मुहावरा आ लोकोक्ति के अर्थ जानल आ प्रयोग सीखल। • पाठ से संबंधित चित्र बनावल।	• लड़िकन के समझे–समझावे के अवसर होखे। • प्रसंगानुकूल हाव–भाव से कहानी सुने–सुनावे के अवसर होखे। • कहानी के सस्वर वाचन लड़िकन से करावल जाव। • पाठ के लड़िकन के निजी जिनगी से जोड़ल। जइसे– लड़िकन के खेले के बेरा कइल गइल गाल के बारे में जानल जाव। • लड़िकन से पाठ के आधार पर प्रश्न निर्माण करावल जा सकता। • कबड्डी से संबंधित चित्र बनावल जा सकता।	6+3=9

कक्षा - 10वाँ खातिर

विषय-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• ब्रेल/सांकेतिक रूप में आपन विचार व्यक्त करेले। • एह रचना के पढ़ के परम्परागत खेलन के प्रति सांस्कृतिक मूल्यन पर चर्चा करेले। • गुल्ली–डंटा आ क्रिकेट में समानता आ विषमता बतावेले।			• पाठ में आइल योजक–चिन्ह वाला शब्दन के लिखे के अवसर होखे।	
• लड़िका समझ के पढ़ेले। • लड़िका प्रश्न पूछेले आ पूछल गइल प्रश्नन के जबाब देले।	भोजपुरी लोकनाट्य आ डोमकच (निबंध) अध्याय संख्या–16	• लड़िका पाठ के आधार पर बतियावल आ प्रतिक्रिया दिहल। • लोकनाट्य आ नाटक के बीच समानता आ अंतर जानल।	• पाठ के शीर्षक पर बतियावे के अवसर होखे। • पाठ के लड़िकन के निजी जिनगी से जोड़ल। जइसे– घरे लड़िका के बारात गइला के दिने रात में डोमकच में का का भइल?	5+1=6

कक्षा - 10वाँ खातिर

विषय-भोजपुरी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनो में)
Learning Outcomes	Chapters	Learning Indicators	Suggestive Process	Durative (in Days)
• लड़िका अलंकार आ मुहावरा से जुड़ल प्रश्नन के हल करेले। • कला विशेष क के परंपरागत कला के महत्व के समझ बनावल।		• डोमकच के अभिनय कइल। • निबंध के भेदन के जानल। • पाठ में आइल कठिन शब्दन के अर्थ शब्दकोश में देखल।	• डोमकच के कथा, प्रसंग संक्षेप में सुनल–सुनावे के अवसर होखे। • पाठ के अभ्यास के प्रश्नन के हल करावल जा सकता। • पाठ के आधार पर लड़िकन के प्रश्न निर्माण करे के अवसर होखे। • डोमकच आ आउर लोकनाट्क के सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भन के समझे के अवसर होखे। • लोकनाटक आ नुक्कड़ नाटक के तुलना कइल।	

catch-up course

गतिविधि

सेतु सामग्री (**catch-up-course**) के रोचक आ आसान बनावे खातिर निम्नलिखित गतिविधियन के करावल जा सकेला–

- लोकगाथा कहल–सुनल।
  लोकगाथा के नाट्य रूपान्तरण कइल।
- भोजपुरी के लुप्त होत शब्दन के संग्रह कइल। जइसे– दउरी, मउनी, घोनसारी, सांवा, कोदो।
- भोजपुरी क्षेत्र में प्रचलित रंगन के नाँव हिंदी–अंग्रेजी में लिखल–

भोजपुरी	हिंदी	अंग्रेजी
कुच–कुच करिया	गाढ़ा काला	Deep Black
धब–धब उजर	धवल श्वेत	Chalk White

- अपना अगल–बगल गाछन के सूची बनाई आ ओकर वर्गीकरण करीं। जैसे– फलदार गाछ, इमारती लकड़ी के गाछ, जड़ी–बूटी वाला गाछ।

वर्ग	सुनल	बोलल	पढ़ल	लिखल
दसवाँ	• भोजपुरी में वाक्यन/प्रसंगन के सुन के अर्थ ग्रहण कइल।	• श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दन के उच्चारण करेलें। • हर्ष–विषाद के विभिन्न भावन के अपना शब्द में प्रकट करेलें।	• भोजपुरी के कठिन शब्द, संयुक्ताक्षर आ आउर भषन के शब्दन के (जवन भोजपुरी में आ गइल बाड़े सन) शुद्ध–शुद्ध उच्चारण कइल। • निबंध पढ़ल।	• छोट–बड़ निबंध लिखल। • आवेदन पत्र आदि लिखल। • अनुवाद कइल।

भोजपुरी

लेखन

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
डॉ0 जीतेन्द्र वर्मा	फेलो, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, भिट्टी, गोरेयाकोठी, सीवान
संजय कुमार	स्वामी कर्मदेव यमुना राम उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज, महाराजगंज, सीवान

अकादमिक सहयोग–राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार के संकाय सदस्य

- डॉ0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- डॉ0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डॉ0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी, शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डॉ0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डॉ0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक, कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 अर्चना, प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभा रानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभा रानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना